Advt. Size_8x28

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्

संस्कृत भवनम्, रायबिहारी लाल मार्ग, न्यू हैदराबाद, लखनऊ-226007
फोनः 0522-2780251, ईमेलः upsanskritsansthanam@yahoo.com
वेबसाइटः www.upsanskritsansthanam.in

पुरस्कार विज्ञापन

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2022 के अधोलिखित पुरस्कारों हेतु संस्थान की वेबसाइट के माध्यम से **दिनांक 06 अक्टूबर 2023** तक आमंत्रित हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात् इसकी हार्डकापी (सभी संलग्नों सहित) संस्थान के पते पर भेजें। संस्थान में हार्डकापी प्राप्ति की **अन्तिम तिथि 21 अक्टूबर 2023** है। किसी भी कारणवश विलम्ब से प्राप्त आवेदनपत्र विचारणीय नहीं होंगे। क्रमांक 1,2,3,4,6 एवं 7 के पुरस्कारों का पात्रता क्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। शेष सभी पुरस्कारों के लिये आवश्यक है कि विद्वान का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ हो अथवा कम से कम 10 वर्षों से उत्तर प्रदेश में निवास कर रहा हो। प्रदेश में निवास सक्षम स्तर से प्रमाणित हो। **'विश्वभारती', महर्षि वाल्मीकि, महर्षि व्यास, महर्षि नारद तथा 'विशिष्ट-पुरस्कार'** हेतु समिति के अवलोकनार्थ विद्वान की कतिपय प्रतिनिधि कृतियाँ भी उपलब्ध कराना होगा।

(1) विश्वभारती पुरस्कार-(एक) 5,01,000/- (पाँच लाख एक हजार मात्र)

(2) महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार-(एक) 2,01,000/- (दो लाख एक हजार मात्र)

(3) महर्षि व्यास पुरस्कार-(एक) 2,01,000/- (दो लाख एक हजार मात्र)

उक्त पुरस्कारों के लिये संस्कृत साहित्य के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मूर्धन्य विद्वान ही अर्ह होंगे। निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन-पत्र स्वयं विद्वान अथवा उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कोई व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। उक्त का क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा। व्यास पुरस्कार की पात्रता हेतु विद्वान की आयु 60 वर्ष होनी चाहिए।

(4) महर्षि नारद पुरस्कार-(एक) 1,01,000/- (एक लाख एक हजार मात्र)

संस्कृत पत्रकारिता जगत के ऐसे वरिष्ठ पत्रकार, जिन्होंने कम से कम 25 वर्षों से संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं में अपने लेखन/सम्पादन तथा प्रकाशन से संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं को राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्रदान कराया हो या संस्कृत पत्र/पत्रिकाओं के संस्थापक सम्पादक के साथ ही लेखन (ग्रन्थ) समीक्षा, सम्पादन, अध्यापन कार्य करने वाले विद्वान भी अर्ह होंगे। पुरस्कार की पात्रता हेतु आवेदक की आयु न्यूनतम 60 वर्ष एवं क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

(5) विशिष्ट पुरस्कार- (पाँच) 1,01,000/- (एक लाख एक हजार मात्र) प्रत्येक

इस पुरस्कार के लिए वही विद्वान अर्ह होगे, जिनकी संस्कृत जगत में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास कार्य हेतु निरन्तर विशिष्ट सेवा की न्यूनतम अवधि 20 वर्ष हो अथवा संस्कृत सम्मेलन/संस्कृत सम्भाषण आदि द्वारा संस्कृत के सामाजिक प्रयोग में उल्लेखनीय तथा प्रभावशाली योगदान किया हो। ऐसे विद्वान स्वयं अथवा उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से परिचित व्यक्ति निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर सकते है। पुरस्कार का पात्रता उ0प्र0 होगा।

(6) वेदपंडित पुरस्कार- (10) 51,000/- (इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

इस पुरस्कार हेतु वेदपंडित को वेद की किसी भी शाखा की सम्पूर्ण संहिता सस्वर कण्ठस्थ होनी चाहिये। इस पुरस्कार के लिये वेदपंडित को संस्थान द्वारा आयोजित वेद परीक्षा में भाग लेना होगा। वेदपण्डित पुरस्कार का क्षेत्र सम्पूर्ण भारत होगा। उत्तर प्रदेश में जन्म लेने वाले अथवा विगत 10 वर्षों में निवास करने वाले वेद पण्डितों को 10 अंक का अधिमान दिया जायेगा।

(7) नामित पुरस्कार- (पाँच) 51,000/- (इक्यावन हजार मात्र) प्रत्येक

विगत दो कलेण्डर वर्षों में प्रकाशित (वर्ष 2019 एवं 2020) काव्य ग्रन्थ, गद्य, पद्य, विषय की मौलिक तथा उत्कृष्ट संस्कृत रचनाओं को और/या दर्शन, पुराण-इतिहास, धर्मशास्त्र, वेद-वेदांग, तथा व्याकरण की उत्कृष्ट रचनाओं को अधोलिखित नामित पुरस्कारों हेतु निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की 5 प्रतियों के साथ आमंत्रित की जाती है।

(क) कालिदास पुरस्कार (ख) बाणभट्ट पुरस्कार (ग) शंकर पुरस्कार (घ) व्यास पुरस्कार (ङ) पाणिनि/सायण पुरस्कार

उपर्युक्त पाँचों पुरस्कारों हेतु निर्धारित प्रपत्र पर ग्रन्थ की 5 प्रतियों के साथ आवेदन आमंत्रित है।

नामित पुरस्कार हेतु पुस्तक का प्रथम संस्करण ही पुरस्कार के लिए विचारणीय होगा। पूर्व प्रकाशित रचनाओं के संशोधित संस्करण पुस्तक के रूप में प्रकाशित होने की दशा में पुरस्कार के लिए विचारणीय हो सकता है जब उसकी 60 प्रतिशत सामग्री पूर्व में प्रकाशित न हुई हो। ऐसी कृति जिसे पहले उ0 प्र0 संस्कृत संस्थान पुरस्कृत कर चुका है, पुरस्कार योग्य नहीं मानी जायेगी।

(8) विशेष पुरस्कार- (छः) रू0 21,000/- (रू0 इक्कीस हजार मात्र) प्रत्येक

प्रत्येक वर्ष के पुरस्कार हेतु उस पुरस्कार वर्ष के ठीक पहले वर्ष में प्रकाशित (वर्ष 2021 में) विशिष्ट रचनात्मक एवं समीक्षात्मक कृतियां ही इस पुरस्कार के लिए विचारणीय होगी। इस वर्ग का एक पुरस्कार पालि/प्राकृत में रचित ग्रन्थों के लिए आरक्षित है। यदि पालि/प्राकृत में रचित उपर्युक्त ग्रन्थ उपलब्ध नही होगे तो इस पुरस्कार को संस्कृत भाषा के लिए विचार किया जायेगा।

(9) विविध पुरस्कार- (बीस) रू0 11,000/- (रू0 ग्यारह हजार मात्र) प्रत्येक

(क) साहित्य पुरस्कार- (दस) (ख) शास्त्र पुरस्कार (छः)

(ग) बाल साहित्य पुरस्कार (दो) (घ) श्रमण पुरस्कार (दो)

इस पुरस्कार हेतु उस पुरस्कार वर्ष के ठीक पहले वर्श में प्रकशित (वर्ष 2021) संस्कृत की रचनात्मक मौलिक कृतियाँ तथा संस्कृत विषयक हिन्दी में रचित समीक्षात्मक कृतियां अथवा संस्कृत भाषा से अन्य भाषाओं में अनूदित रचनायें पुरस्कार के लिए अर्ह होगी। संस्कृत प्रश्नोत्तरी (गाइड) शोध प्रबन्ध सदृश पुस्तकों पर विचार नही किया जायेगा।

नोटः 1. विस्तृत सूचना तथा आवेदन पत्र प्रारूप उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ के वेबसाइट पर उपलब्ध है जिसे डाउनलोड किया जा सकता है अथवा किसी भी कार्य दिवस में संस्थान कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

2. प्रत्येक पुरस्कार हेतु अलग-अलग आवेदन करना अनिवार्य है। अलग-अलग पुरस्कारों हेतु एक ही आवेदन मान्य नहीं होगा।

निदेशक